पाठ 2. प्राकृतिक संसाधनों की बचत

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ में प्राकृतिक संसाधनों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। इस पाठ का उद्देश्य जनमानस को प्राकृतिक संसाधनों की बचत करने के प्रति जागरूक करना है। प्रकृति के संसाधनों को बर्बाद होने से रोकना हम सभी का कर्तव्य है।

पाठ का सारांश

नकुल नहाने गया तो नल में पानी नहीं आ रहा था। उसने माँ को बताया। माँ ने उससे कहा कि अखबार में खबर आई है कि पूरे शहर में पानी की किल्लत है। तभी नकुल की बहन ने माँ को बताया कि गैस खत्म हो गई है। पिता जी ने गैस का सिलेंडर लाने के लिए स्कूटर निकाला, परंतु उसमें पेट्रोल नहीं था। नकुल स्कूल का काम करने बैठा तो बिजली चली गई। बिजली के इंतज़ार में नकुल को नींद आ गई। उसके सपने में एक-एक करके बिजली, पानी, रसोई गैस और पेट्रोल आते हैं। वे नकुल से अपनी-अपनी बर्बादी के लिए उसे और लोगों को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका मानना है कि लोग उनका अपव्यय करते हैं, इसलिए वे सभी हड़ताल पर जाने का फैसला लेते हैं। नकुल उन्हें कहता है कि आप सबके बिना काम कैसे चलेगा। तब बिजली, पानी, गैस और पेट्रोल नकुल के सामने शर्त रखते हैं कि लोगों को उनका अपव्यय रोकना होगा। नकुल उनसे माफ़ी माँगता है और उनकी शर्त मान लेता है। इस पर बिजली, पानी, गैस बोलते हैं कि तो हमारी भी हड़ताल खत्म समझो।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पहले पहल** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। बच्चों को प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताएँ। उन्हें इनकी महत्ता से अवगत करवाएँ। प्रत्येक बच्चे को पाठ पठन का अवसर दें।

बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- नकुल नहाने गया तो नल में पानी नहीं आ रहा था। क्या आपके साथ कभी ऐसा होता है? यदि 'हाँ' तो तब आप क्या करते हैं?
- पाठ में वर्णित प्राकृतिक संसाधनों में से सबसे महत्त्वपूर्ण संसाधन कौनसा है?
- प्राकृतिक संसाधनों को हम किस प्रकार बर्बाद होने से बचा सकते हैं?
- यदि नकुल प्राकृतिक संसाधनों की शर्त न मानता तो क्या होता? सोचकर बताइए।
- बच्चों को पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाइए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।